दृष्टि The Vision

इतिहास (वैकल्पिक विषय)

8 Test

(मध्यकालीन इतिहास)

निर्धारित समय: तीन घंटे
Time allowed: Three Hours

अधिकतम अंक: 250
Maximum Marks: 250

DTVF/19 (J-S)–M–H2

Name: SUNIL

Mobile Number:

Medium (English/Hindi): HINDI

Reg. Number: AWAKE-19 IB 013

Center & Date: DELHI 12/08/19

UPSC Roll No. ***(If allotted)*:** 7105724

प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:
इसमें आठ प्रश्न हैं जो दो खण्डों में विभाजित हैं तथा हिन्दी एवं अंग्रेज़ी भाषा में मुद्रित हैं।
परीक्षार्थी को कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर देने हैं।
प्रश्न संख्या 1 और 5 अनिवार्य हैं तथा बाकी में से प्रत्येक खण्ड से कम-से-कम एक प्रश्न चुनकर किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिये।
प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिये गए हैं।
*प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहियें जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिये। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर **कोई अंक नहीं** मिलेंगे।*
प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिये।
जहाँ आवश्यक हो, अपने उत्तर को उपयुक्त चित्रों/मानचित्रों तथा आरेखों द्वारा दर्शाइएँ। इन्हें प्रश्न का उत्तर देने के लिये दिये गए स्थान में ही बनाना है।
प्रश्नों के उत्तरों की गणना क्रमानुसार की जाएगी। यदि काटा नहीं हो, तो प्रश्न के उत्तर की गणना की जाएगी चाहे वह उत्तर अंशतः दिया गया हो। प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:
*There are **EIGHT** questions divided in **TWO SECTIONS** and printed both in **HINDI & ENGLISH**.*
*Candidate has to attempt **FIVE** questions in all.*
*Questions no. 1 and 5 are compulsory and out of the remaining, any **THREE** are to be attempted choosing at least **ONE** from each section.*
The number of marks carried by a question/part is indicated against it.
Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (Q.C.A.) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.
Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.
Illustrate your answers with suitable sketches/maps and diagrams, wherever considered necessary. These shall be drawn in the space provided for answering the question itself.
Attempts of questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

प्र. सं. (Q.No.)	a	b	c	d	e	कुल अंक (Total Marks)	प्र. सं. (Q.No.)	a	b	c	d	e	कुल अंक (Total Marks)
1							5						
2							6						
3							7						
4							8						
						सकल योग (Grand Total)							

मूल्यांकनकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Evaluator (Signature)

पुनरीक्षणकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Reviewer (Signature)

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

खण्ड - क / SECTION - A

1. आपको दिये गए मानचित्र (पृष्ठ नं. 5) पर अंकित निम्नलिखित स्थानों की पहचान कीजिये एवं अपनी प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में उनमें से प्रत्येक पर लगभग 30 शब्दों की संक्षिप्त टिप्पणी लिखिये। मानचित्र पर अंकित प्रत्येक स्थान के लिये स्थान-निर्धारण संकेत क्रमानुसार दिये गए हैं: $2\frac{1}{2} \times 20 = 50$

Identify the following places marked on the map (Page No. 5) supplied to you and write a short note in about 30 words on each of them in your question-cum-answer booklet. Locational hints for each of the places marked on the map are given below seriatim. $2\frac{1}{2} \times 20 = 50$

(i) एक प्राचीन बंदरगाह

An ancient port

कोरकई = तूतीकोरिन जिला, तमिलनाडु।

- संगमकालीन पाण्ड्यों का मुख्य व्यापारिक बंदरगाह स्थल।
- मौर्योत्तरकालीन रोमन बस्ती व रोमन सिक्कों की प्राप्ति।
- वस्त्र उत्पादन का भी केंद्र।

(ii) एक प्राचीन व्यापारिक केंद्र

An ancient business centre

रेह = कौशांबी जिला, उत्तरप्रदेश।

- मौर्योत्तर कालीन प्रसिद्ध व्यापारिक केंद्र।
- उत्तरापथ पर स्थित होने के कारण महत्त्वपूर्ण स्थान।
- कुषाण काल के स्वर्ण व ताम्र निर्मित सिक्कों की भी प्राप्ति।
- औजार, वस्त्र निर्माण का भी प्रमुख केंद्र।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

(iii) एक हिंदू मंदिर स्थल

A Hindu temple site

शारदा पीठ = वर्तमान PoK में स्थित।

- प्रसिद्ध हिन्दू मंदिर स्थल।
- प्रसिद्ध ब्राह्मण व बौद्ध शिक्षा केंद्र। कल्हण ने यहीं शिक्षा ग्रहण की थी।
- 18 प्रमुख शक्तिपीठों में से एक।
- पौराणिक कथाओं में देवी सती की कहानी से संबंधित स्थल।
- हाल ही में एक कॉरिडोर निर्माण पर वार्ता।

(iv) एक चालुक्यकालीन नगर

A Chalukyan city

ऐहोल = बागलकोट जिला, कर्नाटक

- चालुक्यों की राजधानी (वातापी के चालुक्य)
- मंदिरों का नगर भी कहते हैं। हिंदू, बौद्ध, जैन मंदिरों की प्राप्ति।
- तीनों मंदिर शैलियों का प्रयोग।
- प्रसिद्ध शैक्षिक, व्यापारिक केंद्र।
- इसी के निकट बादामी व पट्टडकल भी स्थित है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(v) एक महाजनपदकालीन स्थल

A Mahajanpada site

गांधार = एक महाजनपद।
वर्तमान पश्चिमोत्तर पाकिस्तान का क्षेत्र।

- महाभारत काल में भी इस क्षेत्र का उल्लेख।
- राजधानी = तक्षशिला। एक व्यापारिक व शैक्षिक केंद्र।
- कालांतर में पूर्वमध्यकाल में हिन्दू वंश के पाल पाण्डवादी शासकों का शासन।

(vi) एक बौद्ध स्थल

A Buddhist site

- घंटसला = कृष्णा जिला, आन्ध्रप्रदेश।
- सातवाहन काल में बौद्ध गुफाओं का निर्माण।
- स्तूप, बुद्ध मूर्तियों की प्राप्ति।
- एक व्यापारिक केंद्र।
- इसी के निकट धान्यकटक भी स्थित है।

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(vii) एक गुहा स्थल

A cave site

उदयगिरी - खण्डगिरी = पुरी जिला, ओडिशा
- चेदि वंश के शासक राजा खारवेल द्वारा उदयगिरी में 19 व खण्डगिरी में 16 गुफाओं का निर्माण।
- जैन गुफा व विहार स्थल।
- प्रसिद्ध गुफाएँ = हाथी गुंफा
  रानी गुंफा।
- अभिलेखों की भी प्राप्ति।
- गुफा में pillars की जगह piers का प्रयोग।

(viii) एक प्राचीन अभिलेख स्थल

An ancient inscription site

जूनागढ़ = गिर सोमनाथ जिला, गुजरात
- शक शासक रुद्रदामन लिखित जूनागढ़ अभिलेख।
- संस्कृत का प्रथम वृहद् अभिलेख।
- तत्कालीन राजनीतिक, आर्थिक स्थिति व शैक्षिक विकास का पता चलता है।
- सुदर्शन झील के पुनरोद्धार का भी उल्लेख।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(ix) एक नवपाषाणकालीन स्थल

A Neolithic Site

गुफकराल = श्रीनगर के निकट, J&K

- नवपाषाणकालीन औजार व उपकरण – हड्डी निर्मित आदि की प्राप्ति
- मानव गर्तावास के साक्ष्य।
- Microliths व Composite tools के साक्ष्य।
- मानव के साथ कुत्ता शवाधान के साक्ष्य।
- महापाषाणकालीन कब्रों की भी प्राप्ति

(x) एक हड़प्पाकालीन स्थल

A Harappan site

- रोपड़ = रोपड़ जिला, पंजाब।
- भारत में खोजा गया प्रथम हड़प्पाई स्थल।
- हड़प्पा काल के कृषि व पशुपालन के साक्ष्य - गेहूं व जौ के बीज, पशु हड्डियाँ प्राप्त आदि की प्राप्ति।
- बस्ती के साक्ष्य कच्ची ईंटें, दो मंजिला भवनों की प्राप्ति
- मृणमूर्तियाँ भी मिली हैं।

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

(xi) एक प्राचीन अभिलेख स्थल

An ancient inscription site

मास्की = रायचूर जिला, कर्नाटक।

- अशोक के लघु शिलालेख की प्राप्ति।
- एकमात्र अभिलेख जिसमें अशोक का नाम देवनांप्रिय अशोक मिलता है।
- ब्राह्मी लिपि में उद्धरण।
- इसी के निकट पिकलिहाल से भी अभिलेख मिले हैं।

(xii) एक बौद्ध धार्मिक स्थल

A Buddhist religious site

नालंदा = नालंदा जिला, बिहार

- गुप्तकाल में निर्मित बौद्ध मंदिर समूह।
- वर्तमान में विश्व धरोहर स्थल में शामिल।
- नागर शैली से समरूपता।
- पास ही में नालंदा विश्वविद्यालय भी स्थित है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(xiii) एक महाजनपदकालीन नगर

A Mahajanpada city

कांपिल्य = कंपाइल - फर्रुखाबाद जिला, उत्तर प्रदेश।

- पांचाल महाजनपद की राजधानी।
- वैदिककालीन लौह के हथियार, उपकरण मिले हैं।
- PGW संस्कृति के मृदभाण्डों की भी प्राप्ति।
- कालांतर में प्रसिद्ध व्यापारिक केंद्र के रूप में उभरा।

(xiv) एक मध्यपाषाणकालीन स्थल

A Mesolithic site

सरायनहर /दमदमा = प्रतापगढ़ जिला, उत्तरप्रदेश।

- मध्यपाषाणकालीन Microliths व composite tools मिले हैं।
- मृदभाण्डों की भी प्राप्ति।
- हड्डी निर्मित औजारों की प्राप्ति।
- शवाधान के साक्ष्य भी मिले हैं।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(xv) एक मध्यकालीन राजनीतिक केंद्र

A medieval political centre

गौड़ = मालदा जिला, पश्चिम बंगाल
- पाल शासकों की राजधानी
- प्रसिद्ध व्यापारिक व सांस्कृतिक केंद्र।
- शैक्षिक केंद्र के रूप में भी विख्यात।
- इण्डो-इस्लामिक स्थापत्य संश्लेषण का भी उत्तम उदाहरण। जैसे मीनारें, मकबरे आदि।

(xvi) एक ताम्रपाषाणिक स्थल

A chalcolithic Site

आहड़ = उदयपुर जिला, राजस्थान
- ताम्रपाषाणकालीन ताम्र निर्मित बर्तनों, उपकरणों की प्राप्ति। जैसे थाली, ~~प्याला~~ चम्मच आदि।
- कृषि व पशुपालन के साक्ष्य।
- श्रेणीकृत मानव आवास व बस्ती के साक्ष्य।
- धान्यागार की भी प्राप्ति।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(xvii) एक प्राचीन शहर

An ancient city

सिरपुर = [illegible] छत्तीसगढ़।
- गुप्तकाल में प्रसिद्ध व्यापारिक केंद्र।
- नागरशैली में निर्मित हिन्दू मंदिर।
- विशेषताएँ - गर्भगृह
  छोटी प्रदक्षिणापथ
  अंतराल, मंडप।
- गुप्तकालीन स्वर्ण सिक्कों की भी प्राप्ति।

(xviii) एक हड़प्पाकालीन स्थल

A Harappan site

सुरकोटड़ा = कच्छ क्षेत्र, गुजरात
- घोड़े के साक्ष्य मिले हैं
- जलाशय व बाँध के भी साक्ष्य।
- बस्ती के साक्ष्य। दो मंजिले भवन, नाली व्यवस्था की भी प्राप्ति।
- कृषि व पशुपालन के भी साक्ष्य।
- लिपि व मुहरों की भी प्राप्ति।

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(xix) एक मध्यपाषाणकालीन स्थल

A Mesolithic site

आदमगढ़ - होशंगाबाद जिला, मध्यप्रदेश
- मध्यपाषाणकालीन मानव शैल आवासों की प्राप्ति।
- शैल चित्रों की भी प्राप्ति।
- Microliths उपकरणों की प्राप्ति।
- हड्डी निर्मित औजार भी मिले है।
- पशुपालन के भी साक्ष्य।

(xx) एक मध्यकालीन धार्मिक केंद्र

An ancient religious site

श्रवणबेलगोला - हासन जिला, कर्नाटक।
- पश्चिमी गंग शासक के मंत्री चामुंडराय द्वारा निर्मित बाहुबली की खड़े रूप में साधना की मूर्ति। (983 ई.)।
- प्रसिद्ध जैन तीर्थ स्थल।
- प्रति 12 वर्ष पर महामस्तकाभिषेक का आयोजन।

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

2. (a) प्रारंभिक मध्यकालीन भारत के शहरों के उत्थान एवं विकास की प्रक्रिया में विभिन्नता के तत्त्व निहित थे। कथन के संदर्भ में शहरी केंद्रों की प्रमुख विभिन्नताओं को व्याख्यायित कीजिये। 15

Differential factors were associated with the evolution and growth of early medieval Indian cities. Explain the diversities of urban centers with reference to above statement. 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

प्रारंभिक मध्यकालीन भारत तृतीय नगरीकरण का आरंभिक चरण था। इस काल में जहाँ एक ओर कृषि आधारित अर्थव्यवस्था की बहुलता थी, तो देश के विभिन्न भागों में बहुआयामी कारकों परिस्थितियों से प्रेरित- प्रभावित होते हुए नगर भी उत्थान एवं विकास प्रक्रिया में संलग्न थे।

शहरों के उत्थान व विकास प्रक्रिया में विभिन्नताएँ -

i) कई नगर प्राथमिक प्रकार के नगरीकरण का परिणाम थे जैसे पहले कृषि का विकास → अधिशेष से शिल्प को प्रोत्साहन → फिर व्यापार का विकास। जैसे कन्नौज आदि।

ii) दक्कन व दक्षिण में द्वितीयक

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

प्रकार के नगरीकरण के भी साक्ष्य मिलते है। जैसे पहले व्यापार का विकास, व्यापारिक केंद्र के रूप में उभार → फिर आर्थिक संपन्नता से अन्य क्षेत्रों का विकास। जैसे चोल व विजयनगर काल में तटीय क्षेत्र - गंगैकोण्डचोलपुरम आदि।

iii) कई नगर मंदिर विकास व निर्माण का परिणाम थे। जैसे खजुराहो।

iv) तीर्थस्थल भी नगर के रूप में विकसित हो रहे थे। जैसे सोमनाथ।

v) सूफी संतों के खानकाह भी नगरीय स्वरूप के विकास में भूमिका निभाते थे। जैसे व्यापार को प्रोत्साहन, शोणियों के विश्राम स्थल।

vi) व्यक्तिगत शासकों ने भी कई नगरों की स्थापना की। जैसे ग्यासुद्दीन तुगलक द्वारा तुगलकाबाद, फिरोजशाह तुगलक द्वारा जौनपुर आदि।

vii) सामंत व्यवस्था के माध्यम से गुर्जर प्रतिहार शासक मिहिरभोज

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

द्वारा भोजपुर की स्थापना (MP)।

(vii) कृषि संकट के कारण किसानों, मजदूरों के कृषि छोड़ने व अन्य कार्यों में संलग्न होने से भी नगरों के उत्थान व विकास को बल मिला जैसे [सतीश चन्द्र का विचार]।

(viii) हिंदू धर्म की प्रधानता वाले क्षेत्रों में नगरों में सामाजिक स्तरीकरण, कार्य विभाजन अपेक्षाकृत कठोर था, जबकि बौद्ध व जैन प्रभाव वाले क्षेत्रों में यह कम था। जैसे- वल्लभी में जैन प्रभाव आदि।

उपरोक्त विश्लेषण से स्पष्ट है कि प्रारंभिक मध्यकाल में भारतीय नगर पर्याप्त गतिशीलता ग्रहण किए हुए थे।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(b) शेरशाह सूरी ने अपने अल्प शासन काल में न केवल विस्तृत साम्राज्य की स्थापना की अपितु सुदृढ़ व स्थायी प्रशासनिक ढाँचे की नींव भी रखी। चर्चा कीजिये। 15

Sher Shah Suri not only established a extended empire during his shorter regime but also laid the foundation of a strong and stable administrative structure. Discuss. 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

द्वितीय अफगान साम्राज्य के संस्थापक शेरशाह सूरी (1540-45) का शासन काल मध्यकाल में बहुआयामी योगदानों के लिए जाना जाता है।

विस्तृत साम्राज्य की स्थापना -

i) शासन क्षेत्र = कश्मीर - विंध्य पर्वत
सिंधु नदी - बंगाल।

ii) विजय -
रायसीन का युद्ध = 1544 ई०।
कालिंजर का घेरा = 1545।
हुमायूँ को चौसा व कन्नौज के युद्ध में पराजित किया (1540)।

iii) शासन क्षेत्र में अफगान, ईरानी, हिन्दू, मुस्लिम विभिन्न नृजातीय समूहों का समावेशन विस्तृत साम्राज्य को पुष्ट करता है।

सुदृढ़ व स्थायी प्रशासनिक ढाँचे की नींव रखना -

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

a. शेरशाह के पूर्व जिला व स्थानीय स्तर पर कोई मानक व्यवस्था प्रचलित नहीं थी। शेरशाह ने इस स्तर पर मानक व्यवस्था शुरू की।

जिला = शिकदार-ए-शिकदारान
मुंसिफ-ए-मुंसिफान

परगना = शिकदार
मुंसिफ

ग्राम = खूत/मुकद्दम/चौधरी
पटवारी

यह व्यवस्था थोड़े-बहुत परिवर्तन के साथ संपूर्ण मुगलकाल में भी चलती रही।

b. धर्म व शासन-प्रशासन के बीच अलगाव को ध्यान में रखा तथा उलेमाओं की शक्ति को नियंत्रित किया। कालांतर में अकबर ने भी इसी नीति का पालन किया।

c. प्रशासन में व्यक्ति के स्थान पर संस्थाओं को मजबूत बनाने का प्रारंभिक प्रयास किया। जिसे आगे अकबर ने और भी विकसित किया।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

d. प्रशासनिक व्यवस्था बनाए रखने हेतु भू-राजस्व सुधार किए तथा नाप व वर्गीकरण आधारित जब्ती प्रणाली की शुरुआत की, जो आगे दहसाला बंदोबस्त के लिए आधार बनी।

e. प्रशासन के सामाजिक आधार का पर्याप्त विस्तार किया व हिन्दू, मुस्लिम, अफगानी सभी को उच्च पद दिए। इससे न केवल सामाजिक असंतोष कम हुआ, बल्कि शासन की वैधता भी बढ़ी।

f. शेरशाह के राजत्व सिद्धांत - लोक कल्याणकारी कार्य, सुधार के दृष्टिकोण, सार्वभौमिक आधारभूत संरचना विकास पर बल - जैसे सड़क निर्माण, सैन्य वाद, युद्ध निकुशवाद आदि ने प्रशासन को सशक्त बनाया।

सीमाएँ - a. प्रांतीय स्तर पर निरंतर दुर्बल निर्माण रहा।
b. अफगान राजत्व सिद्धांत।

तथापि उपरोक्त योगदानों के कारण शेरशाह को अकबर का पूर्वगामी भी कहा जाता है।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(c) अकबर द्वारा स्थापित मुगल प्रशासनिक ढाँचा आगामी शासकों के काल में भी बना रहा, लेकिन अकबर की उदार आदर्शवादी नीतियाँ दीर्घकालीन न हो सकीं। टिप्पणी कीजिये। 20

The Mughal administrative structure established by Akbar continued under his successors, but his liberal idealistic policies could not be retained. Comment. 20

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

अकबर ने व्यक्ति के स्थान पर संस्थाओं को मजबूत बनाने के दृष्टिकोण से प्रशासनिक ढाँचे में कई सुधार किए तथा उसे मानक स्वरूप प्रदान किया, जो बाद के कालों में भी निरंतर बना रहा।

जैसे-

(i) मनसबदारी व्यवस्था = मुगल प्रशासनिक व्यवस्था का आधार-स्तंभ।

- यद्यपि - बहुत परिवर्तन के साथ सभी शासकों के काल में चलता रहा। जैसे - शाहजहाँ द्वारा माह प्रणाली की शुरुआत।

(ii) प्रशासन में रोक व संतुलन का सिद्धांत। जैसे वजीर पद को दीवाने-आला पद से संतुलित किया जाना।

(iii) मानक प्रांतीय व्यवस्था = सूबेदार
बख्शी
दीवान
आमिल।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

अकबर की उदार आदर्शवादी नीतियाँ, जो दीर्घकालीन न हो सकी-

1i) सुलहकुल की नीति = धार्मिक सहिष्णुता, संश्लेषण, समन्वय बढ़ाने व राजसत्ता को और अधिक सुदृढ़ करने के उद्देश्य से शुरु धार्मिक नीति। यद्यपि जहाँगीर ने कुछ सीमा तक पालन किया परंतु आगे विफल हो गई। जैसे शाहजहाँ द्वारा हिन्दू-मुस्लिम विवाह पर प्रतिबंध। औरंगजेब द्वारा हिंदू मंदिर को तोड़ा जाना।

1ii) उदार राजपूत नीति = इससे अकबर ने राजपूतों का सहयोग प्राप्त कर साम्राज्य को सशक्त बनाया। परंतु शाहजहाँ व बाद के काल में दूरी पुनः बढ़ने लगी। जैसे औरंगजेब के काल में मुगल-राजपूत संघर्ष व मेवाड़ संधि (1682)।

1iii) उदार टकसाल नीति = अकबर की नीति कि कोई भी व्यक्ति एक निश्चित शुल्क देकर धातु को मुद्रा में परिवर्तित

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

जा सकता है परंतु अकबर की मृत्यु के पश्चात यह नीतियाँ भी पतनोन्मुख हो चली।

दीर्घकालीन न होने के कारण –

(i) शासन - प्रशासन में उलेमाओं के प्रभाव का पुनः बढ़ना।

(ii) आपसी संघर्ष व गुटबंदी दरबारी कलह।

(iii) परिस्थितियों में परिवर्तन व नईशक्तियों का उद्भव। जैसे मराठा, सिख।

(iv) नीतियों को व्यावहारिक स्वरूप देने में व्यक्तिगत शासकों की विफलताएँ।

यद्यपि अकबर की नीतियाँ अपने समय व आवश्यकता के अनुकूल थी, परंतु उसकी विफलताओं ने अंतत: मुगल साम्राज्य के पतन में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

3. (a) सल्तनत काल के दौरान विभिन्न सूफी सिलसिलों का वर्णन कीजिये तथा चिश्ती सिलसिले के अधिक लोकप्रिय होने के पीछे निहित कारणों पर प्रकाश डालिये। 20

Describe the various Sufi silsilas of the Sultanate period and highlight the factors responsible for the significant popularity of the Chishti silsila. 20

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

सूफी = शाब्दिक अर्थ = सूफ = ऊन (जो संत अनिवार्यतः पहनकर प्रचार करते थे।

सफा = पवित्र

सोफिया (ग्रीक शब्द) = ज्ञान।

• यह इस्लाम में उभरी एक उदारवादी धारा थी, जो कुरान की उदारवादी व्याख्या करती थी।

• 10th c में भारत में प्रवेश प्रारंभ। सल्तनत काल में प्रवेश और बढ़ा।

सूफी सिलसिला = विभिन्न सूफी समूह, जिनके अपने गुरु व निश्चित, पृथक् विचार होते थे जैसे –

(i) चिश्ती सिलसिला = a. चिश्त क्षेत्र (अफगानिस्तान) से शुरू।

b. 10th c में उदय।

c. भारत में ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती ने लोकप्रिय बनाया।

d. प्रमुख गुरु = बाबा फरीद
निजामुद्दीन औलिया
अमीर खुसरो।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(ii) सुहरावर्दी = a. ट्रांस आक्सियाना क्षेत्र से प्रारंभ

b. ये शासन कार्यों में भाग लेते थे तथा संन्यास जीवन का विरोध करते थे

c. संत = शेख बहाउद्दीन जकरिया

(iii) नक्शबंदी = a. अपेक्षाकृत रूढ़िवादी सिलसिला

b. 10^{th} CE में उत्तरी ईरान से प्रारंभ

(iv) कादिरी = a. प्रमुख संत = मुहम्मद गौस

b. दारा शिकोह भी इस सिलसिले से जुड़ा हुआ था

(v) अन्य = मदारी सिलसिला

कलंदर सिलसिला।

चिश्ती सिलसिले के अधिक लोकप्रिय होने के कारण -

(i) राजनीति में प्रत्यक्ष हस्तक्षेप नहीं → जनता का विश्वास बढ़ा।

(ii) पर्याप्त राजनीतिक संरक्षण जैसे ऐबक, मुहम्मद बिन तुगलक आदि का संरक्षण।

(iii) उदारवादी विचार, समन्वय व सहिष्णु दृष्टिकोण।

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(iv) ज़िक्र, समां, मिलन जैसे विचार द्वारा ~~जनता~~ भक्त - ईश्वर के बीच संबंधों को प्रेम रूप में वर्णित किया। इससे जनता में लोकप्रियता बढ़ी।

(v) जाति प्रथा या प्रथा → निम्न जाति के लोग। इसके प्रति आकर्षित हुए।

(vi) नाथपंथ का व्यापक प्रभाव → सूफियों ने अनेक तत्त्व ग्रहण किए, जैसे- अलख - निरंजन का विचार। इससे वे तत्कालीन भक्ति धारा से जुड़ गए।

(vii) खानकाहों आदि से व्यापार को प्रोत्साहन, संतों का उच्च नैतिक चरित्र, देशी भाषा। स्थानीय भाषा में भी साहित्य की रचना → इससे विचारों का प्रसार व प्रभाव तीव्र हुआ।

इसी कारण चिश्ती सिलसिले ने न केवल धार्मिक, बल्कि सांस्कृतिक - स्थापत्य, साहित्य को भी व्यापक रीति प्रभावित किया।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

(b) मध्यकालीन दक्षिण भारत के इतिहास में महमूद गवाँ न सिर्फ एक कुशल कूटनीतिज्ञ और महान योद्धा था अपितु कला का एक महान संरक्षक भी था। सोदाहरण बताएँ। 15

In the Medieval South India, Mahmud Gawan was not only a skilled diplomat and great warrior but also a great patron of art. Explain with example. 15

महमूद गवाँ = एक फारसी व्यापारी, जो व्यापार के सिलसिले में भारत आया था।

- योग्यता के बल पर बीजापुर के प्रधानमंत्री के पद पर पहुँचा
- समयकाल = 1561 - 1582।

एक कुशल कूटनीतिज्ञ -

i) बहमनी साम्राज्य की एकता को सुदृढ़ किया तथा विजयनगर साम्राज्य से बचाए रखा।

ii) उस समय चल रहे दक्खिनी व अफाकी मुस्लिमों के बीच संघर्ष को कम किया।

iii) 1510 में गोवा पर पुर्तगालियों के अधिकार के पश्चात बढ़ रहे पुर्तगाली प्रभाव को समझौतों के माध्यम से सीमित किया।

iv) मालवा व गुजरात के शासकों के साथ कूटनीतिक संबंध स्थापित किए।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

महान योद्धा -

(i) पड़ोसी शक्तियों को पराजित कर बीजापुर को मुख्य केंद्र बनाया।

(ii) विजयनगर साम्राज्य को पराजित करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका।

(iii) आंतरिक विद्रोह - कुलीन वर्गों व सामंतवादियों का दमन किया।

(iv) सैन्य संगठन को पुनर्गठित किया। घुड़सवार सेना को और अधिक मजबूत बनाया।

कला संरक्षक -

(i) बीदर के प्रसिद्ध मदरसे का निर्माण कराया। जो न केवल कलात्मक दृष्टि से उत्कृष्ट था। बल्कि प्रसिद्ध मुस्लिम शिक्षा केंद्र के रूप में भी उभरा।

(ii) (A) बीजापुर में कई मकबरे का निर्माण।

विशेषताएँ - a. मीनार का प्रयोग।
b. लाल बलुए पत्थर संगमरमर का प्रयोग।
c. अलंकरण के विभिन्न रूप- पशु-पक्षी चित्रण, ज्यामितीय संरचना।

~~(B) मस्जिदों का निर्माण~~ जैसे बीजापुर की जामा मस्जिद

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

मोज़ेक
कैलिग्राफी।

(iii) साहित्य कला को प्रोत्साहन।
फारसी भाषा का विकास।

(iv) दक्खिनी ~~[illegible]~~ लघु चित्रकला को प्रोत्साहन व संरक्षण।
विशेषताएँ = a. मुख्य आकृति / पात्र को बड़े स्वरूप में दिखाया जाना।
b. सुनहरे बादलों का प्रयोग।
c. मुख्य आकृति के चारों ओर मेहराब।

(v) संगीत को प्रोत्साहन।

(vi) धार्मिक उदारता का दृष्टिकोण। सूफीसंतों को संरक्षण प्रदान किया।

उपरोक्त विश्लेषणानुसार महमूद गवां बहुमुखी प्रतिभा के धनी व्यक्ति के रूप में उभरता है। दक्खिनियों द्वारा उनकी हत्या के पश्चात बहमनी साम्राज्य भी पतनोन्मुख हो चला।

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(c) राजनीति और समाज को प्रभावित करने के संदर्भ में मुगलकाल के दौरान योग्य एवं प्रतिभाशाली स्त्रियों की भूमिका को उल्लिखित कीजिये। 15

With respect to influence on politics and society, highlight the role of able and talented women during the Mughal period. 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

मध्यकाल यद्यपि पितृसत्तात्मक समाज, रूढ़िवादिता, गतिहीनता जैसे अनेक तत्व लिए हुए था, परंतु कई क्षेत्रों में व विभिन्न कालों में स्त्रियों ने भी अपनी महत्त्वपूर्ण भूमिका व योग्यता का परिचय दिया। मुगलकाल भी इससे अछूता नहीं रहा। जैसे-

(1) कुतुलग निगार खानम = बाबर की माँ। बाबर को राजकीय कार्यों में प्रशिक्षित किया।

(2) गुलबदन बेगम = हुमायूँ की बहन। 'हुमायूँनामा' की रचना की।

(3) माहम अनगा = अकबर की धायमाँ। प्रारंभिक जीवन में माहम अनगा का अकबर पर व्यापक प्रभाव था।

(4) नूरजहाँ = जहाँगीर की पत्नी
• जुंटा की अवधारणा में एक मुख्य पात्र नूरजहाँ थी, जो शासन कार्यों में महत्त्वपूर्ण

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

भूमिका अदा करती थी जैसे
उच्च पदों पर नियुक्ति।
मनसब वितरण।
प्रशासन पर नियंत्रण।

- नूरजहाँ की तस्वीर छपे सिक्के भी प्रचलित हुए
- भूमि अनुदान प्रथा। लेखों में उसका नाम भी लिखा जाने लगा था।
- गरीब मुसलमानों को उनकी पुत्रियों के विवाह हेतु राजकीय सहायता दी।
- जरी, किनारी, लहंगों के नए फैशन प्रचलित किए।
- जहाँगीर के मकबरे के निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

(5) अर्जुमंद बानो/मुमताज महल = शाहजहाँ की बेगम।
- इसी की याद में ताजमहल बनाया गया।

(6) जहाँआरा = शाहजहाँ की पुत्री
'मुनिस-अल-अरवाह' नामक सूफी पुस्तक की रचना की।
- शाहजहाँ द्वारा कम कठोर धार्मिक

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

नीति अपनाने के पीछे एक महत्वपूर्ण कारक दारा शिकोह व जहाँआरा का प्रभाव था।
- संगीत व चित्रकला को प्रश्रय प्रदान किया।

(7) जैबुन्निसा = औरंगजेब की पुत्री।
- 'दीवाने मख्फी' पुस्तक की रचना की।

यद्यपि रजिया सुल्तान की तरह मुगलकाल में स्त्रियों ने प्रत्यक्ष राजनीति के भूमिका का प्रदर्शन नहीं किया। परंतु पर्दे के पीछे रहकर राजनीति, समाज, कला को व्यापक रीति प्रभावित किया।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

4. (a) "भारतीय इतिहास में पहली बार यह प्रकट हुआ कि खेती, खेती के तरीकों, खेती के साधनों को सुधारना भी सरकार के कर्त्तव्यों में आता है।" कथन के आधार पर मुहम्मद-बिन-तुगलक के कृषि संबंधी प्रयासों की व्याख्या कीजिये। 20

"For the first time in Indian history it appeared that reforming agriculture, its methods and its resources, are also among the duties of the government". Explain the agriculture-related initiatives of Muhammad bin Tughlaq. 20

Copyright – Drishti The Vision Foundation

खण्ड - ख / SECTION - B

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

5. निम्नलिखित में से प्रत्येक का लगभग 150 शब्दों में उत्तर दीजिये: $10 \times 5 = 50$

Answer the following in about 150 words each:

(a) "ब्रह्म सत्य जगत मिथ्या" के संदर्भ में शंकराचार्य के अद्वैतवादी दर्शन को व्याख्यायित कीजिये।

With respect to "brahma satya jagat mithya," explain Shankaracharya's Advaitism.

शंकराचार्य (8th - 9th (ई)) : केरल में जन्म।
- वेदांत चिंतन के समर्थक।
- रचनाएँ : उपनिषदों पर टीका।
- मठों की स्थापना की।

ब्रह्म सत्य, जगत मिथ्या

(i) शंकराचार्य ने ब्रह्म को निर्गुण, निराकार, एकमेव, सर्वशक्तिमान माना।
(ii) आत्मा व जगत ब्रह्म के ही रूप है।
(iii) उन्होंने तत् त्वं असि, अहं ब्रह्मासि (मैं ही ब्रह्म हूँ) के विचार का समर्थन किया।
(iv) जगत को 'माया' के रूप में स्वीकारा जो बंधनग्रस्त है। इसी के कारण मानव जीवन कर्म व पुनर्जन्म के जाल में फँसा रहता है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

(v) आत्मा का ब्रह्म के साथ मिल जाना ही मोक्ष है।

(vi) मोक्ष प्राप्ति का मार्ग ज्ञानमार्ग है।

(viii) उन्होंने जगत को मिथ्या कहा। इस क्रम में ब्रह्म को अद्वैत स्वरूप में स्वीकारा।

सारांशत: वेदांत चिंतन की व्यावहारिक व्याख्या करके शंकराचार्य ने अद्वैतदर्शन का विस्तार किया। उन्होंने भक्तिमार्ग के ऊपर ज्ञानमार्ग की श्रेष्ठता को प्रतिपादित कर धार्मिक सुधार का मार्ग भी प्रशस्त किया।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(b) 'इक्ता' व्यवस्था केंद्रीकृत होती सल्तनतकालीन राजनीतिक व्यवस्था का परिचायक थी। स्पष्ट कीजिये।

The 'Iqta' system indicated centralisation tendency of the Sultanate-era political system. Explain.

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

मुगलकाल में जो कार्य मनसबदारी प्रथा ने किया, संभवतः इसी प्रकार की प्रकृति को सल्तनतकाल की 'इक्ता' प्रथा में देखा जा सकता है।

इक्ता व्यवस्था : इल्तुतमिश द्वारा शुरू

- राज्य द्वारा सेवा के बदले भूमि प्रदान की जाती थी
- बड़े इक्ताधारक 'मुक्ति' व छोटे इक्ताधारक 'इक्तादार' कहलाते थे
- मुक्ति को संबंधित क्षेत्र में प्रशासनिक, राजस्व, सैनिक अधिकार प्राप्त होते थे
- वंशानुगत नहीं होते थे, स्वामित्व का अधिकार नहीं था

केंद्रीकरण के साक्ष्य के रूप में -

1) मुक्ति के माध्यम से प्रशासनिक नियंत्रण में वृद्धि। क्षेत्र के विद्रोह का दमन।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

ii) राजस्व आधार बढ़ने से सुल्तान की शक्ति में वृद्धि

iii) सैन्य आधार में वृद्धि → राजा की नियंत्रणकारी क्षमता में वृद्धि

iv) विभिन्न सुधार -

a. बलबन द्वारा रक्ताजा की नियुक्ति → केंद्रीय नियंत्रण में और वृद्धि

b. अलाउद्दीन खिलजी, मुहम्मद बिन तुगलक द्वारा भी केंद्रीय आधिपत्य को बढ़ाया गया। जैसे फतांजिल का प्रावधान।

v) वफादार अधिकारियों को मुक्ति के पदों पर नियुक्त करके सुल्तान पद को चुनौती की संभावनाओं को कम किया जाना

उपरोक्त विवरण

सल्तनत इक्ता व्यवस्था द्वारा सल्तनत के केंद्रीकरण की प्रवृत्ति को दर्शाते हैं।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(c) विजयनगर साम्राज्य में स्त्रियों की स्थिति समकालीन राज्यों से भिन्न नहीं थी। मूल्यांकन कीजिये।

The situation of women in the Vijayanagara empire was not different from other contemporary states. Evaluate.

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

दक्कन में स्वर्णकाल के रूप में परिभाषित विजयनगर साम्राज्य का काल बहुआयामी स्वरूप लिए हुए था। इसी संदर्भ में समाज व्यवस्था को भी देखा जाता है।

स्त्रियों की स्थिति समकालीन राज्यों से भिन्न नहीं-

(i) पितृसत्तात्मक समाज की व्यवस्था।
(ii) महिलाओं का घरेलू कार्यों तक सीमित रहना।
(iii) राजनैतिक व शैक्षिक अधिकारों पर प्रतिबंध।
(iv) कम आयु में विवाह।
(v) विभिन्न कुरीतियाँ जैसे देवदासी प्रथा, पर्दा प्रथा आदि के साक्ष्य।
(vi) सामाजिक गतिशीलता में ह्रास की प्रवृत्ति।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

उपरोक्त प्रवृत्तियाँ तात्कालिक उत्तरी व दक्षिणी भारतीय सामाजिक परिस्थिति से असंगतता को दर्शाती है

सकारात्मक उल्लेख -

1.) बारबोसा, डोमिंगो पेस, अब्दुर्रज्जाक इत्यादि विदेशी यात्रियों के वर्णन सकारात्मक भूमिका का भी उल्लेख करते हैं जैसे -

a. महिलाओं द्वारा व्यापार में हिस्सेदारी

b. पंचायत व्यवस्था में महिलाओं द्वारा भाग लिया जाना

c. कुछ विदुषी महिलाओं के उल्लेख।

सार्वभौमिक: विजयनगर साम्राज्य की आर्थिक प्रगति के संदर्भ में महिलाओं की कुछ बेहतर स्थिति को सामान्यत: अनुमानित किया जाता है।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(d) सामंजस्य तथा सम्मिश्रण की नीति का प्रयोग करते हुए मुगलकालीन चित्रकला के विकास में यूरोपियन कला के प्रभाव की चर्चा कीजिये।

Discuss the effect of European art in the development of Mughal painting, with respect to synthesis and composition.

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

भारत में मुगल साम्राज्य की स्थापना के काल से ही चित्रकला की मुगल शैली के विकास व विस्तार को देखा जा सकता है। जैसे बाबर के समय बिहजाद, हुमायूँ के समय ख्वाजा अब्दुलसमद आदि।

कालांतर मुगल चित्रकला पर भारतीय प्रभाव व ईरानी प्रभाव तो पड़ा ही, यूरोपीय संपर्क में वृद्धि से यूरोपीय प्रभाव भी दृष्टिगोचर हुआ जैसे-

(i) रंगों में अधिक प्राकृतिक रंगों का संयोजन।

(ii) अलंकरण में यूरोपीय वेशभूषा खानपान के दृश्य, प्राकृतिक दृश्यों का समावेशन आदि।

(iii) 3-D प्रकार के चित्रों का निर्माण बढ़ा।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(iv) foreshortening तकनीक का प्रयोग अर्थात निकट की वस्तु को बड़ा व दूर की वस्तु को छोटा दिखाया जाना।

(v) format के क्षेत्र में कर्णाकी व उर्ध्वाधर format का प्रचलन बढ़ा।

(vi) व्यक्ति चित्रों की प्रधानता।

(vii) विषयवस्तु में विविधता जैसे गैर धार्मिक विषयवस्तु का अंकन बढ़ा।

यूरोपीय प्रभाव को अकबर, जहाँगीर, शाहजहाँ के काल में निर्मित चित्रों में विशेषतः अनुभव किया जा सकता है जैसे दारा शिकोह के विवाह का चित्र, शिकार दृश्य आदि।

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(e) मध्यकालीन तकनीकी के अंतर्गत सिंचाई के विभिन्न साधनों का विवरण दीजिये।

Describe the various modes of irrigation under medieval technologies.

कृपया इस स्थान कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this

मध्यकाल में कृषि अर्थव्यवस्था का आधारस्तंभ थी। इसके विकास में सिंचाई की महत्वपूर्ण भूमिका थी। न केवल व्यक्तिगत, बल्कि राजकीय स्तर पर भी इसके विकास हेतु अनेक प्रयत्न किए गए थे। जैसे झील पुनर्निर्माण आदि।

सिंचाई के विभिन्न साधन:

(1) कुआँ = पानी निकालने हेतु विभिन्न यंत्र

a. चर्खयंत्र = गोलाकार पहिये पर चमड़े से निर्मित बर्तन/उपकरण टांगकर पानी निकालने की विधि।

b. साकिया = पशु शक्ति से चलने वाला व गियर प्रणाली पर आधारित एक यंत्र। प्रारंभिक लिखित उल्लेख बाबरनामा में।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(2) नहर = विभिन्न शासकों द्वारा नहर निर्माण व सम्पन्न। जैसे शाहजहाँ द्वारा नहरों का निर्माण, फिरोजशाह तुगलक द्वारा नहरों का निर्माण।
· मुख्यत: गंगाघाटी क्षेत्र में प्रयुक्त।

(3) तालाब = पठारी व अपेक्षाकृत कठोर क्षेत्र में प्रयुक्त। जैसे दक्कन।

(4) झील = जलाभाव वाले क्षेत्रों में सिंचाई हेतु प्रयुक्त।
जैसे जूनागढ़ में सुदर्शन झील आदि।

(5) बावड़ी = सांस्कृतिक महत्व के साथ सिंचाई कार्य के लिए भी महत्वपूर्ण।
जैसे राजस्थान व गुजरात की बावड़ियाँ।

(6) वर्षा जल से सिंचाई

उपरोक्त संदर्भ में ~~तकनीक~~ सिंचाई तकनीक को समझा जा सकता है।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

8. (a) दक्षिण में भक्ति आंदोलन के उद्‌भव ने निम्न जातियों को मुख्य धारा में सम्मिलित होने का एक अवसर प्रदान किया। इस कथन से आप कहाँ तक सहमत हैं। टिप्पणी कीजिये। 20

The emergence of Bhakti movement in south provided an opportunity to the lower castes to join the mainstream. To what extent do you agree with this statement? Comment. 20

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

दक्षिण भारत में भक्ति आंदोलन का उद्‌भव नायनार व आलवार संतों के उद्‌भव (6th C.) से देखा जा सकता है। यह एक प्रकार का तत्कालीन सामाजिक - धार्मिक सुधार आंदोलन भी था जो ब्राह्मणवादी सर्वोच्चता, कर्मकाण्ड व आडंबरों की बहुलता के विरोध के तत्व लिए हुए था।

भक्ति आंदोलन द्वारा निम्न जातियों का मुख्य धारा में सम्मिलन -

(i) दक्षिण में - a. अधिकांश आलवार व नायनार संत निम्न जातियों से संबंधित थे। उन्होंने भक्ति के सामाजिक आधार का प्रसार कर उसे सभी के लिए खोल दिया।

b. भक्ति आंदोलन द्वारा स्थानीय भाषा में साहित्य लेखन →

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

विचारों का निम्न वर्ग तक प्रसार होने से वह भी मुख्य धारा से जुड़ा।

c. मंदिरों में संगीत, नृत्य, गायन का आयोजन (संतों द्वारा) → इससे ये स्थल सामाजिक मेल-मिलाप के केन्द्र बने। सामाजिक भेदभाव में कमी आई।

d. मंदिरों में भक्ति के बढ़ते प्रचलन से उनकी आय में वृद्धि → आर्थिक गतिविधियों को प्रोत्साहन → निम्न जाति के आर्थिक स्तर में सुधार ने उनकी सामाजिक स्थिति को भी सशक्त बनाया।

iii) उत्तर में - a. दक्षिण के भक्ति आंदोलन का उत्तर में प्रसार → निर्गुण भक्ति आंदोलन को बल जिसके मुख्य आधार निम्न जाति के लोग थे।

b. जाति व कार्य के आपसी संबंध कमजोर हुए। तकनीकी विकास की आवश्यकता ने निम्न जाति को भी मुख्य धारा में जोड़ने का कार्य

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

किया।
c. भक्ति आंदोलन में निहित जातिप्रथा विरोध, अस्पृश्यता विरोध, शोषण का विरोध आदितत्वों ने निम्न तबके की प्रास्थिति सुधार में मदद की।

सीमाएँ –

i) भक्ति आंदोलन रूढ़ियों, प्रथाओं, संरचनाओं के मूलभूत ढाँचे को बदलने में असमर्थ रहा।

ii) कालांतर में इसने भी स्वयं को पंथों में ही समाविष्ट कर लिया।

iii) निर्गुण संप्रदाय (15th C) के अधिकांश नेतृत्वकर्ता उच्चवर्गीय ब्राह्मण होते थे। अतः आरंभिक प्रभाव सीमित होगा।

iv) पर्याप्त राजनीतिक समर्थन व मजबूत आर्थिक आधार के अभाव ने भी प्रभावों को सीमित किया।

तथापि सीमाओं के बावजूद भक्ति आंदोलन ने सामाजिक एकीकरण की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(b) भारतीय-फारसी साहित्य के विकास में बरनी और अमीर खुसरो के योगदान का मूल्यांकन कीजिये। 15

Evaluate the contributions of Barni and Amir Khusro in the development of Indo-Persian literature. 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

मध्यकाल में इंडो-इस्लामिक संश्लेषण का एक पक्ष था- साहित्यिक संश्लेषण। बरनी व अमीर खुसरो के लेखन ने इसमें महत्त्वपूर्ण योगदान दिया।

बरनी का लेखन (फारसी में)।

(1) फतवा ए जहाँदारी = प्रशासनिक कार्यों, संस्थानों, आचरण पर लेखन।
- न्याय पर विशेष बल।
- इसमें मुहम्मद बिन तुगलक के जवाबित (धर्मनिरपेक्ष आदेश) का भी उल्लेख मिलता है।
- दीनदारी व दुनियादारी जैसी संकल्पना भी मिलती है।

(2) तारीखे फिरोजशाही = फिरोजशाह तुगलक के प्रारंभिक 6 वर्षों का वर्णन।
- उसकी विजयों, नीति का वर्णन।
- कई जगह स्थानीय भाषा के उद्धरण स्थानीय वार्तालाप भी मिलते हैं।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

अमीर खुसरो -

(i) 'सबक-ए-हिंदी' का विकास किया।

(ii) फारसी भाषा की एक नवीन शैली का प्रतिपादन किया।

(iii) उर्दू का विकास।

(iv) पुस्तक -

a. खजाइन उल फतूह

b. मिफ्ता उल फतूह

c. नूह सिपहर

d. देवलरानी-खिज्रखाँ।

(v) अमीर खुसरो ने फारसी में संगीत पर भी अनेक पुस्तकों की रचना की।

(vi) सूफी प्रभाव के कारण भी संश्लेषण को बढ़ावा मिला।

(vii) अमीर खुसरो को तूती-ए-हिंद भी कहा जाता है।

(viii) कई संस्कृत ग्रंथों का फारसी में अनुवाद भी किया।

महत्व -

(i) फारसी साहित्य के खजाने में वृद्धि।

(ii) फारसी का भारत में विस्तार।

(iii) भारतीय संस्कृति के विभिन्न पहलुओं

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

लोक भाषा, लोक साहित्य से संपर्क बढ़ा।

(iv) अमीर खुसरो के लेखन ने सूफीवाद को शक्ति दी। उत्तर भारत में भक्ति आंदोलन में भी फारसी साहित्य एक प्रेरक व सहायक कारक सिद्ध हुआ।

सीमाएँ-

(i) राजनीतिक व उच्च सत्ता पर ही प्रभाव अधिक रहा।

(ii) ~~राजनीतिक~~ व्यापक सामाजिक आधार का अभाव।

तथापि सीमाओं के बावजूद भारतीय- फारसी साहित्य के विकास में बरनी व अमीर खुसरो के योगदान को महत्वपूर्ण माना जाता है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

(c) "मराठा शक्ति के उदय में सामाजिक-आर्थिक तत्त्वों ने न केवल महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई अपितु बौद्धिक और वैचारिक ढाँचे ने मराठों को सांस्कृतिक पहचान बनाने में भी सहायता की।" चर्चा कीजिये। 15

"In the rise of Maratha power, not only socio-economic factors played an important role, but also the intellectual and ideological structure helped the Marathas form a cultural identity." Discuss. 15

17th cen में शिवाजी के नेतृत्व में मराठा शक्ति दक्कन में एक महत्त्वपूर्ण शक्ति केंद्र के रूप में उभरी यद्यपि मराठा पिछले काफी लंबे समय से मुगल व क्षेत्रीय शासन में महत्त्वपूर्ण पदों पर थे, परंतु विभिन्न कारकों ने कालांतर में इनके एकीकरण व संगठन को प्रोत्साहित किया।

मराठा शक्ति उपक्रम -

(1) सामाजिक तत्त्व -

a. आपसी विभेदों की कमी

b. कठोर जाति प्रथा का अभाव → लोगों का आपस में जुड़ाव बढ़ा।

c. लगभग सभी मराठा किसान कृषक पृष्ठभूमि से थे तथा सैनिक की भूमिका भी निभाते थे। फलतः आपसी समन्वय अपेक्षाकृत

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

आधिक सशक्त था।

(2) आर्थिक तत्त्व -

a. मराठा द्वारा सामंती सेवाएँ देने के फलस्वरूप उनके आर्थिक स्तर में सुधार।

b. चौथ व सरदेशमुखी से आर्थिक संबल।

c. कालांतर में वृहद व उपजाऊ प्रदेशों पर नियंत्रण → आर्थिक आधार और सशक्त हुआ।

(3) बौद्धिक व वैचारिक ढांचे द्वारा सांस्कृतिक पहचान निर्माण -

a. महाराष्ट्र धर्म द्वारा आपसी विभेदों को कम कर दिया जाना।

b. ज्ञानेश्वर, नामदेव, तुकाराम, रामदास, एकनाथ आदि द्वारा रचित अभंग आदि की भूमिका।

c. वारकरी व धारकरी जैसे संप्रदायों का उभार → धार्मिक एकीकरण व सुधारों को गति प्रदान की।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

d. आध्यात्म वाद भौतिक वाद के बीच समन्वय की प्रवृत्तियों ने रूढ़िवादिता अंकुश को कमजोर बनाया।

e. भक्ति साहित्य (मराठी भाषा) द्वारा सामाजिक-धार्मिक सुधार → वैचारिक एकता को गति मिली।

f. राष्ट्रवाद की भूमिका → लोगों को एक क्षेत्रीय शक्ति के रूप में संगठित होने की प्रेरणा मिली।

g. मुगल साम्राज्य के बढ़ते प्रभाव तथा इस्लाम विरोध की धारणा ने भी एकीकरण व सशक्तीकरण में भूमिका निभाई।

उपरोक्त संदर्भ में मराठा शक्ति के उदय में बौद्धिक, वैचारिक कारकों की भूमिका को आंकलित किया जा सकता है।

Feedback

Questions ....

Model Answer & Answer Structure ....

Evaluation ....

Staff ....

Copyright – Drishti The Vision Foundation